भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2039

दिनांक 06 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के मामले

2039. श्री उज्जवल रमण सिंह:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2023-24 के दौरान देश में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के कुल कितने मामले दर्ज किए गए हैं;
(ख) क्या सरकार द्वारा देश में महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को एचपीवी के कारण होने वाले ह्यूमन पेपीलोमा वायरस (एचपीवी) और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बारे में जागरूकता पैदा करने/शिक्षित करने के लिए कोई जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) क्या एचपीवी के लिए टीकाकरण, स्क्रीनिंग, कैंसर पूर्व सर्वाइकल उपचार और वर्ष 2030 तक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पूरी तरह छुटकारा पाने के संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (आईसीएमआर-एनसीआरपी) के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान देश में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 81121 है।

(ख) और (ग): भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के हिस्से के रूप में गैर-संचारी रोगों (एनपी-एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उचित स्तर के

स्वास्थ्य सेवा सुविधा केंद्र के लिए रेफरल और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य संवर्धन और जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। एनपी-एनसीडी के तहत, 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 372 जिला डे केयर सेंटर और 6410 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक हिस्से के रूप में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित आम गैर-संचारी रोगों की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इन आम गैर-संचारी रोगों की जांच सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, दिनांक 2 दिसंबर 2024 तक 8.88 करोड़ महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए जांच की जा चुकी है।

समुदाय में, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कर्मी (आशा) गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित गैर-संक्रामक रोगों के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आशा कर्मी व्यक्तियों और परिवारों को पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक कार्यकलाप और तंबाकू और शराब से परहेज सहित स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। आशा कर्मी नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग के माध्यम से प्रारंभिक पहचान के महत्व पर जोर देती हैं, जिससे घर के दौरे, समूह बैठकों और स्वास्थ्य अभियानों में भागीदारी के माध्यम से समय पर अंतक्षेप संभव हो पाता है।

इसके अलावा, कैंसर सहित एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए पहलों में राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विश्व कैंसर दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। कैंसर सहित एनसीडी के लिए जागरूकता पैदा करने वाले कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफ़एसएसएआई) के "ईट राइट इंडिया मूवमेंट" के माध्यम से "स्वस्थ भोजन" को बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा "फिट इंडिया मूवमेंट" को क्रियान्वित किया जाता है। आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जाते हैं।

(घ): ह्यूमन पेपिल्लोमा वायरस (एचपीवी) का टीका सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम का भाग नहीं है।

*****